Jain Engineers Society News
For Social Cause

Society Registration No. -IND/5887/2001, dtd 20.02.2002

Year 9, Edition 5 Indore 20 May 2010 Page : 4 Rs. : 12/- (Yearly)

JES Thought- To forgive is to set a prisoner free and discover the prisoner was you. (Unknown)

JES Aurangabad activities

JES Aurangabad Chapter members and families participated and attended the Mahavir Jayanti rally alongwith JES display on "Stop Global Warming".Its a great pleasure that our display has been judged as the best presentation and has been awarded the "FIRST PRIZE".We congratulate all for the same with special regards to Er Apurva Sethi (Project Chairman - Mahavir Jayanti rally) for his extra-ordinary dedication, efforts and hard work in achieving this magnificent feet and making a history in the journey of JESA.

JES also achieved great success in the connected projected of Distributing 2000 nos of trees alongwith the Dept of social forestry to our jain community. The response was so great that within 1 hr all the trees were distributed.

Both the above projects were appreciated by the whole Jain Community in Aurangabad. Mr Rajendra Dardaji (Our Patron and Minister of Industries - GOM) and Mr Savarkarji (Comm. of Police - Aurangabad) gave a special visit to our display in the rally. They appreciated our activities and assured us full support on all our future projects. Further we also feel proud to inform you that all our patrons i.e Mr Sanjayji Kasliwal , Er Arunji Patney, Er Dineshji Gangwal, Mr Pukhraji Pagariya, Mr Mahavirji Sethi also appreciated both our projects.

We would like to thank , Dr Prakashji Zambad, Mr Mahavirji Patney and Mr Vilasji Saoji (Sakal Jain Mahavir Jayanti Samiti) for their support in organizing this project.

Special thanks to Er Kamal Pahade , Er Chetan Thole, Er Anand Misrikotkar, Er Mukesh Thole , Er Rupesh Thole, Er Pritam Pahade, Er Pratik Kasliwal, Er Nikhl Kasliwal, Er Nitin Bora , Er Amit Jain, Er Aadesh Gangwal , Er Sheetal Chudiwal, Er Vishal Pande , Er Piyush Gangwal,Er Pankaj Agrawal, Er Sunil Ghodke , Er Sagar Pahade ,Er Sunil Sethi , Er S K Jain for their efforts in making this project a success,

Er Rajesh Patney
President - JES
Aurangabad Chapter

जेस कोटा चेप्टर की मीटिंग में मनिन्दरजीत सिंह बिट्टा उपस्थित

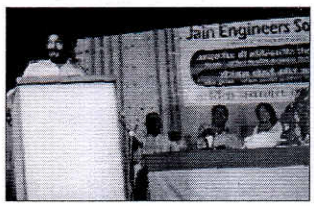

जैन इंजीनियर्स सोसायटी कोटा चेप्टर की एक मीटिंग 16.04.2010 को हरियाली रिसोर्ट, बुन्दी रोड़ पर रखी गई। मीटिंग में मुख्य रूप से आतंकवाद एवं देशभक्ति पर श्री मनिन्दरजीत सिंह बिट्टा पूर्व मंत्री पंजाब सरकार एवं आतंकवाद विरोधी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का उद्बोधन रखा गया। मीटिंग में चेप्टर के 70 पारिवारिक सदस्यों ने भाग लिया। श्री बिट्टा ने भगवान की तस्वीर के सम्मुख द्वीप प्रज्जवल किया तथा स्वागत के पश्चात् चेप्टर के सचिव श्री आर.के.जैन द्वारा सोसायटी की गतिविधियों की जानकारी दी। श्री अजय बाकलीवाल अध्यक्ष द्वारा श्री बिट्टा के संबंध में परिचय दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शहीद सुभाष शर्मा की पत्नी बबीता शर्मा द्वारा मीडिया के प्रतिनिधि एवं अन्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे। श्री बिट्टा ने जहॉ जैन समाज की शांति, दया एवं जियो और जीने दो के संदेश के लिये प्रशंसा की वहीं वर्तमान में आतंकवाद के विरोध में उत्पन्न जोशीले अंदाज मे अपना उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में कोटा के बालकवि आदित्य जैन ने आतंकवाद के विरोध में एवं देशभक्ति पर जोशीली कविता पढ़ी। हरियाली रिसोर्ट पर सूचनार्थ रोचक टेप द्वारा सांयकालीन भोजन व्यवस्था प्रयोजित की गई जिसमें जेस का सहयोग रहा। अंत में श्री अजय बाकलीवाल अध्यक्ष द्वारा श्री बिट्टा जी का अत्यधिक व्यस्त समय में से दो घंटे का समय जेस को देने के लिये आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में लगभग 200 व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

इंजी. अजय बाकलीवाल
अध्यक्ष कोटा चेप्टर

Drinking water

at correct time maximizes its effectiveness on the Human body:

2 glasses of water after waking up - helps activate internal organs

1 glass of water 30 minutes before a meal - helps digestion1 glass of water before taking a bath - helps lower blood pressure1 glass of water before going to bed - avoids stroke or heart attack

Dr Er S K Jain, Indore

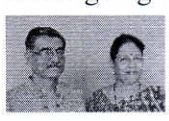

Free Membership of Jain Engineers' Society

For Noble cause join Jain Engineers Society . Get free copy of this news letter every month .All sect of Jain Engineers and Diploma Holders can apply on line at www.jainengineerssociety.com or post your application giving Name, Fathers name, spouse name, DOB, and full local address and permanent address with phone and E mail.

You can open local Chapters in your City / Town, contact Secretary General JES Foundation at jainengineers@eth.net or post to 144 Kanchan Bag Indore 452002

With best Compliments from :

ITL INDUSTRIES LTD
111, Sector-B, Sanwer Road, Indore, http://www.itlind.com
India's leading Metal Cutting Solution Provider and manufacturer of ERW Tube & Pipes Production Equipments.

RANEKA INDUSTRIES LTD.
Block-14, Sect-3, Pitampur, Dhar, http:/www.raneka.com
We are leading manufacture of cast-steel products for Indian and overseas rail-road Industries.

घर पर भी इंजीनियर बने रहें

पिछले सप्ताह की बात है जब हमारे घर का 5–इन–1 साऊण्ड सिस्टम एकाएक खराब हो गया। इस सिस्टम को खरीदे करीब डेढ़ साल हो गया था अतः एक वर्ष की ग्यारंटी से वह बाहर हो गया। मैने पॉवर सप्लाय आदि को चेक किया एवं मुझे लगा कि कोई फॉल्ट सिस्टम के अन्दर ही हुआ है। मेरे छोटे बेटे इंजी. मनीष ने साऊण्ड सिस्टम को केबिनेट से बाहर निकाला एवं हमारे मेट–सर्वेन्ट को कहा कि इसे रिपेरिंग हेतू ड्राइवर के साथ सर्विस सेन्टर पर भेज देना। जब मैंने यह बात उसे कहते हुए सुनी तब मैने मनीष को कहा कि इसे सर्विस सेन्टर पर भेजने से पहले हमें खोलकर चेक कर लेना चाहिए एवं यदि हम ठीक नहीं कर सके तो फिर सर्विस स्टेशन पर भेज देंगे। मेरे इस प्रस्ताव से वह थोड़ा असहज लगा परन्तु दूसरे दिन सुबह उसने सिस्टम का कवर खोलकर मुझे बुलाया और कहा कि अब आगे क्या करना है?शायद मनीष का यह पहला तजुर्बा ही था जब उसने किसी हाऊसहोल्ड इक्वीपमेन्ट (घरेलू उपकरण) को रिपेयर हेतू खोला होगा। दसवीं कक्षा के बाद पिछले छः वर्षों में तो इनका पूरा जीवन अपने कॅरियर को बनाने के लिये पढ़ाई में ही लग गया, क्योंकि जब तक 10 से 12 घण्टे की प्रतिदिन कॅरियर की तैयारी हेतू नहीं लगाया जाय तो मनचाहा कॉलेज एवं कोर्स मिलना कठिन होता। मनीष मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.ई. करने के पश्चात दो साल से फैक्ट्री में ट्रेनिंग ले रहा है। जब मैने खुले हुए सिस्टम को देखा तो सबसे पहले मेरी निगाह उसके इनकमिंग सप्लाय पॉईंट पर पड़ी एवं मैने देखा कि वहॉ का ग्लास ट्यूब फ्यूज़ काला हो गया अर्थात जल गया। मैंने मनीष को बताया कि फ्यूज़ को बाहर निकालो एवं उसकी केप खोलकर उसमें बारीक तार लगाकर फ्यूज़ को ठीक कर लो। यदि सिस्टम चालू हो जाता है तो बाद में सही रेटिंग का फ्यूज़ मंगवा लेंगे। फ्यूज़ ठीक करके लगाने के बाद जब पॉवर सप्लाय दी गई तो सिस्टम चालू हो गया। सिस्टम को चालू देख मनीष के चेहरे पर मैंने जो खुशी देखी वह शब्दों में बयां नहीं की जा सकती।

यह वाकया यहॉ लिखने का सिर्फ एक ही उद्देश्य है कि बदलते हुये इस माहौल में अब हमें यूरोप एवं अमेरिका जैसी स्थितियों से गुजरना पड़ेगा जहॉ छोटे–मोटे रिपेरिंग के काम जैसे बिजली संबंधित, नल संबंधित, ऑटोमोबाईल संबंधित, घरेलू उपकरण संबंधित मरम्मत हेतू स्वयं को ठीक करना सीखना होगा, क्योंकि बाहर से आदमी बुलाना महंगा होगा एवं हमारे पास समय नहीं होगा कि हम उन्हें मरम्मत हेतू सर्विस स्टेशन ले जा सके। अतः यह आवश्यक है कि अपने घरो पर एक छोटा टूल बॉक्स बसायें जिसमें आवश्यक स्क्रू–ड्राइवर, प्लायर, हेमर, कटर, टेस्टर, टेप, छोटी पाईप रेंज, हेण्ड हेकसॉ इत्यादि रखे हो जिनकी कीमत रू. 1,000/– से ज्यादा नहीं होगी। कई बार औजार नहीं होने से हम अपने आपको असहाय पाते हैं एवं छोटे–मोटे कार्यों के लिये दूसरों पर निर्भर होना पड़ता है।

जैसे मनीष को दसवीं कक्षा के बाद पिछले 5–6 सालों से पढ़ाई के अलावा कोई और चीज सिखने का समय नहीं मिला मैं सोचता हूँ ऐसा सभी परिवारों के बच्चों के साथ होता होगा। अतः सभी अभिभावकों को मेरा सुझाव है कि वे अपने इंजीनियर बच्चों को छोटे–मोटे मरम्मत के कार्यों हेतू प्रेरित करें एवं उनके मन से "और बिगड़ जायेगा" का डर हटा दें।

मुझे विश्वास है कि एक बार जिज्ञासा का दरवाजा खुला तो वह हमेशा के लिये सोच–विचार का तरीका बदलेगा।

▯ इंजी. राजेन्द्रसिंह जैन
महासचिव – जेस फाउण्डेशन

FIVE NICE LITTLE STORIES

1. Once, all villagers decided to pray for rain, on the day of prayer all the People gathered but only one boy came with an umbrella...

THAT'S FAITH

2. When you throw a baby in the air, she laughs because she knows you will catch her...

THAT'S TRUST

3.Every night we go to bed, without any assurance of being alive the next Morning but still we set the alarms in our watch to wake up...

THAT'S HOPE

4. We plan big things for tomorrow in spite of zero knowledge of the future or having any certainty of uncertainties. ..

THAT'S CONFIDENCE

5. We see the world suffering. We know there is every possibility of same or similar things happening to us. But still we get married??...

THAT'S OVER CONFIDENCE!!

Er Rahul G T Jain.

Scenario in various parts of India

Ever observed this ..while in Mumbai ..Delhi ..and so on ..read on

Scenario 1

Two guys are fighting and a third guy comes along, then a fourth and they start arguing about who's right. You are in Kolkata

Scenario 2

Two guys are fighting and a third guy comes along, sees them and walks on. That's Mumbai

Scenario 3

Two guys are fighting and a third guy comes along & tries to make peace. The first two get together & beat him up. That's Delhi

Scenario 4

Two guys are fighting. A crowd gathers to watch. A guy comes along and quietly opens a chai-stall. That's Ahmedabad.

Scenario 5

Two guys are fighting and a third guy comes he writes a software program to stop the fight. But the fight doesn't stop b'cos of a bug in the program. That's Bangalore

Scenario 6

Two guys are fighting. A crowd gathers to watch. A guy comes along and quietly says that "AMMA" doesn't like all this nonsense. Peace comes in. That's Chennai.

Scenario 7

Two guys are fighting. Both of them take time out and call their friends on mobile. Now 50 guys are fighting. You are definitely in Haryana.

▯ **Er Deven Lodaya, Mumbai**

Going to Temple

If you're spiritually alive, you're going to love this!If you're spiritually dead, you won't want to read it.If you're spiritually curious, there is still hope! Why Go To The Temple ?

A 'devotee' temple goer wrote a letter to the editor of a newspaper and complained that it made no sense to go to the Temple. 'I've gone for 30 years now, he wrote, and in that time I have heard something like 3,000 mantras. But for the life of me, I can't remember a single one of them. So, I think I'm wasting my time and the Gurus are wasting theirs by giving services at all.

This started a real controversy in the 'Letters to the Editor' column, much to the delight of the editor. It went on for weeks until someone wrote this clincher: I've been married for 30 years now. In that time my wife has cooked some 32,000 meals. But, for the life of me, I cannot recall the entire menu for a single one of those meals. But I do know this... They all nourished me and gave me the strength I needed to do my work. If my wife had not given me these meals, I would be physically dead today. Likewise, if I had not gone to the Temple for nourishment, I would be spiritually dead today! When you are DOWN to nothing.... God is UP to something! Faith sees the invisible, believes the incredible and receives the impossible!

Thank God for our physical AND our spiritual nourishment!

 Er Arun Jain, Indore

Heart Attacks And Drinking Warm Water

This is a very good article. Not only about the warm water after your meal, but about Heart Attack s . The Chinese and Japanese drink hot tea with their meals, not cold water, maybe it is time we adopt their drinking habit while eating.

For those who like to drink cold water, this article is applicable to you. It is s nice to have a cup of cold drink after a meal. However, the cold water will solidify the oily stuff that you have just consumed. It will slow down the digestion. Once this 'sludge' reacts with the acid, it will break down and be absorbed by the intestine faster than the solid food. It will line the intestine. Very soon, this will turn into fats and lead to cancer . It is best to drink hot soup or warm water after a meal.

Common Symptoms Of Heart Attack...

A serious note about heart attacks - You should know that not every heart attack symptom is going to be the left arm hurting . Be aware of intense pain in the jaw line . You may nev er have the first chest pain during the course of a heart attack. Nausea and intense sweating are also common symptoms. 60% of people who have a heart attack while they are asleep do not wake up. Pain in the jaw can wake you from a sound sleep. Let's be careful and be aware. The more we know, the better chance we could survive. A cardiologist says if everyone who reads this message sends it to 10 people, you can be sure that we'll save at least one life. Read this & Send to a friend. It could save a life... So, please be a true friend and send this article to all your friends you care about.

 Er Adesh Jain, Indore

Lessons in Leadership –

One of Mr. Ratan N Tata's first assignments was the stewardship of the ailing electronics company in the Tata portfolio - Nelco.

Story goes that a team of senior managers from Nelco was driving to Nasik along with RNT. Halfway into the journey, the car had a flat tyre, and as the driver pulled up, the occupants - including Mr. Tata - got off for a comfort break, leaving the driver to replace the tyre.

Some of the managers welcomed the forced break, as it allowed them a much-needed chance to light up a cigarette. Some used the opportunity to stretch, and smile, and share a joke. And then, one of them suddenly noticed that Mr. Tata was not to be seen, and wondered aloud where Ratan Tata might have vanished.

- Was he behind some bush?

Had he wandered off inside the roadside dhaba for a quick cup of tea? ·Or was he mingling with some passer-bys, listening to their stories? None of these, in fact while his colleagues were taking a break, Ratan Tata was busy helping the driver change tyres. Sleeves rolled up, tie swatted away over the shoulder, the hands expertly working the jack and the spanner, bouncing the spare tyre to check if the tyre pressure was ok. Droplets of sweat on the brow, and a smile on the face.

In that moment, the managers accompanying Ratan Tata got a master class in leadership they haven't forgotten.

And that's a moment that the driver of that car probably hasn't forgotten either. Questions to ask:

When was the last time I rolled up my sleeves to do a task much below my hierarchy?

Do I wait for the big opportunity to showcase my leadership?

Is that big opportunity ever going to come? Am I trying to manage upwards so much that I lost the feel of the field?

Ideas for action:

- Humility is the essence of success. Be humble and even teach your children to be so.
- To reach the top and remain there, always start from the bottom, else your days at the top will not last long..
- Practice leadership in small things instead of waiting for the big crisis or a major product launch.
- Seek to find opportunities to lead in everyday moments.
- Build your leadership skills one baby step at a time.

"It is not how much you do, but how much love you put in the doing.

 Er. Lalit Sanghavi, Mumbai

PCL XL error

क्या वास्तु शास्त्र का सिद्धान्त वैज्ञानिक है?

क्या भवन उसका उपयोग करने वालों को प्रभावित करता है:–

कभी–कभी सारे प्रयास सही रूप से करने के बावजूद जीवन में बार–बार अनचाहे अनहोनी घटनाएँ घटित होती है। पूर्ण सजगता विवेक एवं परिश्रम से कार्य करने के बावजूद सफलता के स्थान पर विफलताएँ मिलती है। घर में परिवार के सदस्यों में आपसी समन्वय, सामंजस्य तालमेल नहीं होता। तिरुपति एवं नाकोड़ा जैन मंदिर की भांति दर्शनार्थियों एवं भक्तों की भीड़ चन्द मंदिरों में आती रहती है, तो बहुत से मंदिरों अथवा धार्मिक स्थलों पर नियमित पूजा अर्चना अथवा आरती तथा स्वाध्याय तक नहीं होता। एक ही व्यक्ति के एक ही प्रकार के कारखानों में एक अपेक्षा से अधिक लाभ अर्जित करता है तो दूसरे में तालाबंदी हो जाती है। हजारों निर्माण कार्य बनते बनते रूक जाते हैं। उनका निर्माण पूरा नहीं होता। अगर निर्माण पूरा हो भी जाता है तो वे उपयोग में नहीं आते। यदि उपयोग में लिये भी जावें तो जिन उद्देश्यों के लिये उनका निर्माण हुआ उनकी पूर्ति नहीं कर पाते। घर में विकलांग सदस्यों का जन्म अथवा बार–बार शल्य चिकित्सा करवाने की स्थिति का बनना, अकाल मृत्यु का होना, आगजनी की घटनाएँ, जैसी परिस्थितियाँ उत्पन्न होती है। कोई शहर, जिला, प्रान्त एवं राष्ट्र तीव्र गति से विकास करता है तो वैसी ही सुविधाएँ उपलब्ध कराने के बावजूद अन्य अविकसित ही रहते हैं। समय–समय पर आने वाली बाढ़ें, तूफान, भूकम्प, महामारी, शत्रुओं के आक्रमण, युनियन कार्बाइड जैसी प्राकृतिक आपदाओं के पीछे क्या वैज्ञानिक रहस्य है जो आज के वैज्ञानिकों के लिये चिन्तन का विषय है?ऐसे सभी अप्रत्यक्ष कारणों की विस्तृत जानकारी हमें वास्तुशास्त्र के ज्ञान से मिल सकती है। हमारे पौराणिक ग्रन्थों में स्थान–स्थान पर द्रव्य काल एवं स्वभाव के साथ–साथ क्षेत्र के महत्त्व की विस्तृत चर्चा की गयी है। भवन, गांव, नगर, जिला, प्रान्त एवं राष्ट्र की स्थिति का हमारे शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक, विकास से गहरा सम्बंध है।

वास्तु विज्ञान का उद्भव एवं महत्त्व:–

वास्तु शास्त्र का साधारण सा सम्बन्ध भवन निर्माण एवं आवास व्यवस्था से है। वास्तु शास्त्र अर्थात निर्माण आभियान्त्रिकी जतनबजनतंस म्दहपदममतपदह शिल्प कला, मूर्तिकला आदि का ज्ञान कराने वाला विज्ञान। मनुष्य सृष्टि का सर्वश्रेष्ठ प्राणी है। अतः उसके आवास एवं कार्य क्षेत्र के सभी स्थान सर्वश्रेष्ठ, साताकारी, सुखदायी, निरापद होना चाहिये। वास्तु शास्त्र पौराणिक विज्ञान है और हमारी संस्कृति की विश्व को अमूल्य देन। प्राचीन काल में भारतीय विद्वानों, चिन्तकों, ऋषि मुनियों ने मनुष्य के जीवन को सुखी समृद्ध बनाते हुए जीवन के चरम लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये आध्यात्म के साथ–साथ जीवनोपयोगी ज्ञान के प्रत्येक क्षेत्र की विस्तृत जानकारी दी। जैन आगमों में प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ की सुपुत्रियों द्वारा सारे विश्व को सर्वप्रथम 72 कलाओं के ज्ञान कराने का वर्णन मिलता है। जिसारो मानव अपनी क्षमताओं का अधिकतम उपयोग कर जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए अपने चरम लक्ष्य को प्राप्त कर सके। देलवाड़ा और राणकपुर जैसे जैन मंदिर जैन स्थापत्य कला के आज भी जीवन्त उदाहरण हैं।

अन्य भारतीय दर्शनों में भी वास्तु शास्त्र पर सैंकड़ों पुस्तकों का प्रकाशन हुआ है जिसमें भवन निर्माण के विषय में सूक्ष्म से सूक्ष्म जानकारी की गहरायी से व्यवस्थित रूप से, तर्क संगत, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से वर्णन किया गया है। विश्वकर्मा द्वारा रचित ग्रन्थों तथा कौटिल्य के अर्थ शास्त्र एवं पुराणों में इसका विस्तृत विवेचन है। वाराहमिहिर के ज्योतिष ग्रन्थ "वृहत संहिता", महाराजा भोजदेव द्वारा रचित "समरांगण सूत्रधार" वास्तु शास्त्र के प्रामाणिक ओर अधिकृत अंग है।

प्राचीन काल में हमारे देश में बनने वाले अधिकांश राजमहल, मंदिर, स्तूप, सार्वजनिक भवनों का निर्माण वास्तु शास्त्र के नियमों के अनुरूप होता था जिससे वे निर्माण अत्यंत भव्य, मजबूत और दीर्घकाल तक स्थायी रहते थे।

पंचतत्त्वों का मानव जीवन पर प्रभाव:–

इस सृष्टि में पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश आदि पांच तत्वों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हमारे शरीर के संचालन में भी इन पंच तत्त्वों का योगदान होता है। इस धरती पर किये जाने वाले किसी भी प्रकार के निर्माण कार्य में भी ये ही पंच तत्त्व काम में लिये जाते हैं। इन पंच तत्त्वों से उत्पन्न अलग–अलग प्रकार की ऊर्जाओं का उस क्षेत्र में कार्यरत अथवा रहने वालों से गहन सम्बन्ध होता है। जो उनके मन ओर शरीर पर हितकारी अथवा अहितकारी प्रभाव डालते हैं।

शेष अगले अंक में..

□ इंजी. डॉ. चंचलमल चोरडिया
जोधपुर–342003

CONTACT FOR LOCAL CHAPTERS

INTERNATIONAL FOUNDATION	-	Er. R.K. Jain (President (M) 98260-56128 Er. Rajendra Singh Jain (General Secretary), (M) 98260-75098
INDORE CHAPTER	-	Er. N. K. Jain (president) (M) 9827070556 Er. Niketan Sethi (Hon. Secretory) (M) 9425060804
BHOPAL CHAPTER	-	Er. Sharad Chand Sethi, (President), (M) 9893650291 Er. Sharad Sethi (Hon. Secretary), (M) 9425601131
KOTA CHAPTER	-	Er. Ajay Bakliwal (president) (M) 09829036056 Er. R.K. Jain (Hon. Secretary), (M) 9414726829
UJJAIN CHAPTER	-	Er. Deepak Jain (M) 09302366003 Er. Bharat Shah (Hon. Secretory) (M) 9826057049
JAIPUR CHAPTER	-	Er. Akhilesh Jain (President) Ph : 0141-2396283, (M) 98290-53981 Er. R.K. Sethi, (M) 98292-55130
SAGAR CHAPTER	-	Er. Neelesh Jain, (President) Ph : 07582-244901, (M) 9329738680
HARIDWAR CHAPTER	-	Er. Ashok Kumar Jain, (President) Ph : 1334-234856, (M) 09837099348
SANGLI CHAPTER	-	Er. Bhaskar Kognole, (President) Ph : 0233-2320600
KANPUR CHAPTER	-	Er. S.K. Jain, (President) Ph : 0512-2553457, Patron-Shriyut Shripal ji Jain (M) 98395-47676
VIDISHA CHAPTER	-	Er. Anil Jain, (President) Ph : 07592-232295
MUMBAI CHAPTER	-	Er. Lalit Sanghavi (President) (M) 98210-16736
NAGPUR CHAPTER	-	Er. Rajeev Jain (President) (M) 9881741032, 9960085566
DELHI CHAPTER	-	Er. Subhash Jain (President) Ph : 011-24638792(O)
AURANGABAD	-	Er. Rajesh Patney (M) 09370068601, Er. Kamal Pahade- (M) 09970300061
BANGLORE CHEPTER	-	Er. Ajit Jain -099019 48892

NEW CHAPTERS

Jodhpur Chapter, Jhansi Chapter, Bhilwara Chapter, Ajmer Chapter, Gwalior Chapter, Agra Chapter, Ahemadnagar Chapter, Nasik Chapter, Wasim Chapter, Surat Chapter

इस पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों, संकलन एवं विचारों के लिए लेखक/प्रेषक/संकलनकर्ता स्वयं उत्तरदायी है, सम्पादक एवं सम्पादक मण्डल का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। पत्रव्यवहार के लिए पता– जैन इंजीनियर्स सोसायटी, 7–डायमंड कॉलोनी, अग्रवाल स्टोर्स के पीछे, एम.जी. रोड़, इन्दौर–452 001 (भारत)
फोन: 0731-3241922 E-mail-jainengineers@eth.net, Website- www.jainengineerssociety.com

BOOK-POST
PRINTED MATTER

RNI : MPBIL/2004/13588
डाक पंजी. क्रं आयडीसी/डिवीजन/1130/2009-11

TO,

If undelivered, please return to :
Jain Engineers' Society, 7-Diamond Colony, Behind Agrawal Stores, M.G. Road, Indore - 452 001

Owned & Published by Rajendra Singh Jain From 144, Kanchan Bagh, Indore (M.P.) & Printed by Nirmal Graphics Press, 340, Nayapura, Indore (M.P.)
Editor - Er. Rajendra Singh Jain